आचार्य रामचंद्र शुक्ल की साहित्येतिहास लेखन दृष्टि

डॉ. ज्योति शर्मा

आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिन्दी साहित्येतिहास लेखन परम्परा में बहुत महत्त्वपूर्ण साहित्येतिहासकार हैं। उनकी साहित्येतिहास संबंधी अवधारणा आज तक की सबसे वैज्ञानिक और सफल है। उनका 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' ही हिन्दी साहित्य का पहला वास्तविक इतिहास माना जाता है। उनसे पूर्व साहित्येतिहास के नाम पर कविवृत्तसंग्रहों की एक लम्बी परम्परा है। परवर्ती साहित्येतिहासों में कुछ ग्रंथ आ. शुक्ल की मान्यताओं के समर्थक बने हैं और कुछ में उनकी

अवधारणाओं का विरोध करने की ही प्रवृत्ति रही है। फिर भी जो प्रमुख तथ्य उभरता है वह है कि चाहे समर्थक हों चाहे विरोधी कोई भी हिन्दी साहित्य के इतिहास में आ० शुक्ल के महत्व से अनभिज्ञ नहीं हैं।